हँसते जाओ, पेट घटाओ!

देवकी नंदन

• बढ़ई (प्रिंसिपल से) : साहेब, म्हारे छोरे को दाखिला दे दो!?

प्रिंसिपल : अब कोई सीट नहीं बची!

बढ़ई : वो तो जी आप चिंता न करो। मैं कल ही नई सीट बना लाऊँगा!

• विद्यार्थी (स्कूल के बाहर केले वाले से) : एक रुपये का केला देना।

केले वाला : केला तो दो रुपये का है। एक रुपये में छिलका आएगा, दे दूं?

विद्यार्थी : छिलका तुम रखो। एक रुपये का गूदे वाला हिस्सा मुझे दे दो।

• पिता (बेटे से) : तनय, परीक्षा में तुम्हारे इतने कम

नंबर क्यों आए?

तनय : वो इसलिए पिताजी कि आजकल मिनी नंबरों का फ़ैशन चल रहा है।

• राम : यार श्याम, तुम्हारा ये नया छाता तो बहुत सुंदर है!

श्याम : नया छाता? अरे ये तो चार साल पुराना है! तीन बार इसकी तारें बदलीं, तीन बार हैंडल भी बदले। ऊपर से पिछले हफ्ते किसी के छाते से बदल भी गया। फिर भी ये तुम्हें नया और सुंदर लग रहा है?

• अरी ओ कैमिस्ट्री, ये अभागी मैंगनीज़ डाइऑक्साइड, ऑक्सीजन तो बनाएगी पर पहले मैं कर लूंगा सुसाईड,

तुम्हारे फ़ैराडे के नियम और तुम्हारी ये एटॉमिक थ्योरी, इन्हें पढ़ते ही चढ़ जाती हम विद्यार्थियों की त्योरी, पर अरी ओ कैमिस्ट्री, यद्यपि तुम हो बहुत-बहुत बोर, फिर भी लगती हो प्यारी, हमें दिलवा कर हाई स्कोर!

• माँ (बीमार बच्चे से) : अरे बेटा, दवा की गोलियों के साइड तोड़ कर क्यों फेंकते जा रहे हो?

बच्चा : वो इसलिए माँ कि अब इनके साइड इफेक्ट नहीं होंगे!

• डाक्टर (मरीज को बिल थमाते हुए) : यह रोग आपको अपने दादा-परदादा से मिला है, इस जेनेटिक रोग का कोई ईलाज नहीं!

मरीज़ : तो ठीक है, यह बिल भी आप मेरे दादा-परदादा को ही भिजवा दीजिए!

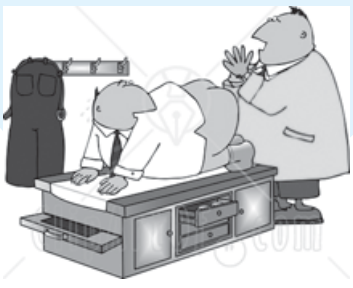

वैज्ञानिक अट्टहास

• प्रोफेसर (क्लास के विद्यार्थियों से क्षमा-याचना के स्वर में) : आज दरअसल मैं घड़ी घर भूल आया, इसी कारण लेक्चर में बहुत ज्यादा समय ले लिया!

एक विद्यार्थी : सर, ब्लैक बोर्ड के पास लटके कैलेंडर का ही ख्याल रख लिया होता!

• मोटर मेकैनिक (डॉक्टर की कार ठीक करने के बाद) : लीजिए डॉक्टर साहेब, कार अब एकदम चुस्त-चौकस हो गई। और ये लीजिए, पाँच सौ रुपये का बिल!

डाक्टर : अरे, इतना बड़ा बिल? इतना तो मैं मनुष्यों को ठीक करने का भी नहीं लेता!

मोटर मेकैनिक : छोड़िए डॉक्टर साहेब! आप तो हजारों साल पुराने मॉडेल ठीक करते हो, हमें तो रोज़-रोज़ नए मॉडलों पर काम करना पड़ता है, है न?

• तनय : क्या तूने स्वेज़ नहर का नाम सुना है, स्वराज?

स्वराज : हां, हां! सुना है!

तनय : उसे मेरे ताऊ जी ने खोदा था, सच में!

स्वराज : क्या तूने मृत सागर का नाम सुना है, तनय?

तनय : हां, हां, सुना है!

स्वराज : उसे मेरे ताऊ जी ने मार डाला था, सच में!

संपर्क सूत्र :
डा. देवकी नंदन, 2205, न्यू जय भारत सोसायटी, प्लॉट-5, सेक्टर-4, द्वारका, नई दिल्ली-110075

(पृष्ठ 24 का शेषांश)

• **स्तन तथा फेफड़े :** मुलायम ऊतकों के बीच विषमता दिखाने में अपनी सर्वोत्तम क्षमता के कारण स्तन कैंसर के उपचार में एमआरआई एक महत्वपूर्ण रोग परीक्षण उपकरण है। आधुनिक तकनीकी विकास ने अक्रिय गैस कही जाने वाली कुछ निश्चित दुर्लभ गैसों का इस्तेमाल कर (वर्तमान में 'हीलियम एवं जेनॉन' का उपयोग किया जा रहा है) फेफड़े के एमआरआई को काफी उन्नत कर दिया है। यह प्रौद्योगिकी फुफ्फुस-रक्तस्रोत रोधनों और फेफड़े में रक्त थक्कों का पता लगाने में चिकित्सकों को समर्थ बना सकती है।

• **कैंसर :** कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी का एमआरआई द्वारा प्रारंभिक अवस्था में ही पता लगाया जा सकता है। एमआरआई जांच कैंसर का पता लगाने, उपचार करने तथा फॉलोअप करने में महत्वपूर्ण है। बिम्ब किसी ट्यूमर की सीमाओं का पूर्णतः खुलासा कर सकते हैं जो सटीक शल्यक्रिया तथा विकिरण थिरेपी में सहायता करती है।

• **ऑपरेशन के लिए मार्गदर्शन :** नयी चिकित्सा प्रौद्योगिकी के विकास ने एमआरआई नियंत्रित शल्यक्रिया के अस्तित्व के साथ यह ऑपरेशन कक्ष में अब अधिकाधिक उन्नत समर्थन प्रदान कर रहा है। यह तकनीक शल्य चिकित्सकों को शल्यक्रिया के दौरान मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए आंतरिक शरीर के ऊतक के लगभग वास्तविक वीडियोचित्र देखने की सुविधा प्रदान करती है। चूंकि एमआरआई में किसी कष्टप्रद उपकरण की आवश्यकता नहीं होती, इसलिए संक्रमण का जोखिम भी नहीं होता है।

एमआरआई की विभिन्न तकनीकें

• **फलनक एमआरआई (FMRI) :** फलनक चुम्बकीय अनुनाद बिम्बन इको-प्लानर इमेजिंग का इस्तेमाल करता है तथा अति तीव्र स्कैन करता है। फलनक एमआरआई तंत्रिका एवं मनोविकार संबंधी विकृतियों जैसे - सिजोफ्रेनिया, डिप्रेशन, डेमनेशिया आदि के बारे में जानकारी प्रदान करना संभव बनाता है। इस प्रक्रिया को ऑटिज्म, डिस्लेक्सिया तथा सीखने से संबंधित अन्य अयोग्यताओं सहित बच्चों की विकासात्मक विकृतियों की जांच करने में भी प्रयुक्त किया जाता है। एफएमआरआई का अधिकांश अनुप्रयोग मस्तिष्क की चिकित्सा से संबंधित कार्यों में किया जाता है।

• **अंतरावर्तित एमआरआई (IMRI) :** अंतरावर्तित एमआरआई शल्यक्रिया के दौरान मस्तिष्क तथा मेरूरज्जु के वास्तविक समय में स्कैनिंग को संभव बनाता है।

• **एमआर एंजियोग्राफी (MRA) :** एमआरआई रक्त परिसंचरण तल के तहत शिराओं तथा धमनियों में रक्त प्रवाह के चित्र सृजित करता है।

• **एमआर सूक्ष्मदर्शी (MRM) :** चुंबकीय अनुनाद सूक्ष्मदर्शी उच्च रिजोल्यूशन बिम्बन का एक प्रकार है। यह परम्परागत एमआरआई जैसे समान सिद्धांत के तहत काम करता है, सिर्फ इसके लघु प्रतिदर्श में परिवर्तन किया गया है।

• **एमआर स्पैक्ट्रोस्कोप (MRS) :** चुंबकीय अनुनाद स्पेक्ट्रोस्कोप 'स्पीन-इको' तकनीक जैसे अनुनाद बिम्बन के किसी भी प्रकार का इस्तेमाल कर सकता है।

• **आयतन बिम्बन (3 -D) :** त्रिविमीय बिम्बन परम्परागत 2-डी प्लानर स्लाइस के बदले अंगों के आयतन बिम्ब (3-डी) प्रदान करने के लिए स्पीन-इको तकनीक का इस्तेमाल करता है।

• **गतिज एमआरआई :** जब रोगी कोई निश्चित गति करता है तब यह किसी अंग या जोड़ का चित्र लेता है।

एमआरआई के विविध क्षेत्रों में अनुप्रयोग के लिए अनुसंधान कार्य आज भी जारी है। एमआरआई तकनीक को अधिक उन्नत तथा बहुद्देशीय बनाने के लिए पश्चिमी देशों में व्यापक स्तर पर शोध कार्य किये जा रहे हैं। जल्दी ही चिकित्सा के अन्य क्षेत्रों में भी एमआरआई की गूंज सुनायी देगी।

संपर्क सूत्र :
श्री शंकर प्रसाद तिवारी 'विनय', सुपुत्र श्री लक्ष्मीनारायण तिवारी, ग्रा. व पो.- गुप्तकाशी (अपर मार्केट) जनपद - रुद्रप्रयाग - 246439, (उत्तराखण्ड गढ़वाल) (मो. : 0963488078)